संस्कृति बोध परियोजना

नियमावली एवं विवरणिका

वि.सं.2079 (सन् 2022-23) युगाब्द 5124

संस्थान की अखिल भारतीय गतिविधियाँ

- संस्कृति ज्ञान परीक्षा
- संस्कृति प्रवाह परीक्षा
- निबन्ध प्रतियोगिता
- विचार गोष्ठियों का आयोजन
- संगीत कक्षाएँ, संगीत आचार्य, प्रशिक्षण, कलापर्व आयोजन
- साहित्य एवं चित्र प्रकाशन
- कार्यशाला आयोजन
- संस्कृति शोध कार्य/विभाग
- संस्कृति संग्रहालय
- विद्या भारती संस्कृति महोत्सव
  - प्रश्नमंच आयोजन
  - कथा-कथन प्रतियोगिता
  - तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता
  - पत्र-वाचन प्रतियोगिता
  - संस्कृति वार्ता
  - संस्कृति प्रदर्शनी

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

राष्ट्रीय उपस्थिति का संस्थान

01744-251903, 270515 / 9812520301, 7419996400, 7419996300, 7419996200

sgp@samskritisansthan.org

www.samskritisansthan.com vidyabhartikurukshetra vidyabhartisss vbsss kkr

विषयानुक्रमणिका

क्र.	विषय
1.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा - भैया-बहिनों के लिए
2.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा शुल्क सीधा बैंक में जमा करने के लिए
3.	आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा - आचार्य वर्ग एवं अभिभावकों के लिए
4.	संस्कृति प्रवाह परीक्षा
5.	अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रश्न-मंच प्रतियोगिता
6.	विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव-परिचय पत्र
7.	कथा-कथन प्रतियोगिता
8.	आशु (तात्कालिक) भाषण प्रतियोगिता
9.	अखिल भारतीय पत्र-वाचन आचार्यों के लिए
10.	अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता - छात्र भैया-बहिनों के लिए
11.	अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता - आचार्यों के लिए
●	पंजीकरण प्रपत्र

अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीकरण प्रपत्र भरने हेतु अति-आवश्यक

1. फार्म में मोबाइल क्रमांक तथा पिनकोड (आवश्यकता हो तो स्थानीय डाकघर से पूछ कर) भरना अनिवार्य है। इसके अभाव में साहित्य प्रेषित करना संभव नहीं होगा।

2. ट्रांसपोर्ट से साहित्य प्रेषित करने हेतु विद्यालय का पैन कार्ड/ जी.एस.टी.क्रमांक / तथा प्रधानाचार्य जी के आधार कार्ड की स्पष्ट छायाप्रति अवश्य संलग्न करें।

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

उद्देश्य :

विश्व में प्रत्येक देश अपनी संस्कृति, परम्पराओं, जीवन मूल्यों, ज्ञान–विज्ञान एवं महापुरुषों के अनुभवों को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में भावी पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सौंपने का प्रयास करता है। भारत की महान् आध्यात्मिक संस्कृति, श्रेष्ठ परम्पराएँ, जीवन–मूल्य, महापुरुषों के आदर्श जीवन–चरित्र तथा यहाँ का ज्ञान–विज्ञान इस देश की ही नहीं, विश्व की अमूल्य–निधि माने जाते हैं। परन्तु अपनी इस अप्रतिम राष्ट्रीय निधि को भावी पीढ़ी को सौंपना तो दूर रहा, उससे परिचित कराने का कार्य भी ठीक प्रकार से नहीं हो पा रहा है। परिणामतः राष्ट्रीय स्वाभिमान–शून्यता एवं विदेशी संस्कृति के अन्धानुकरण की प्रवृत्ति छात्रों में बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

हमारी यह दृढ़ मान्यता है कि यदि हमारे छात्रों को आधुनिक ज्ञान–विज्ञान के साथ अपनी महान संस्कृति, गौरवपूर्ण इतिहास, महापुरुषों के जीवन–चरित्र, श्रेष्ठ राष्ट्रीय परम्पराओं का परिचय कराया जाए तो आज के निराशापूर्ण वातावरण में भी आशा की किरण उत्पन्न होकर विद्यार्थी जगत में अपेक्षित परिवर्तन दिखाई देगा। इस निमित्त विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के द्वारा संचालित मुख्य गतिविधियाँ अग्रलिखित हैं : –

सूचना : इस नियमावली व विवरणिका को एक बार प्रारम्भ से अन्त तक अवश्य पढ़ें।

संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों हेतु इस वर्ष के लिए निर्धारित तिथियाँ –

क. संस्कृति ज्ञान परीक्षा विद्यार्थी भैया/बहिनों के लिए – प्रदेश समिति द्वारा निर्धारित तिथि (17 दिसम्बर 2022 के पश्चात, किन्तु 31 जनवरी 2023 के पूर्व)।

ख. आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा (प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा एवं प्रज्ञा श्रेणी हेतु)– 17 दिसम्बर 2022

ग. विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव – इस वर्ष 11–12–13 नवम्बर 2022 को प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में होना निर्धारित है। सभी प्रतिभागियों को 11 नवम्बर सायंकाल तक प्रतियोगिता स्थल पर पहुँचना है तथा 13 नवम्बर सायं 5:00 बजे के उपरान्त वापसी यात्रा कर सकेंगे।

घ. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आचार्य वर्ग के लिए – 5 सितम्बर 2022

ङ. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता विद्यार्थी भैया/बहिनों के लिए – 14 सितम्बर 2022

संस्कृति ज्ञान परीक्षा - भैया-बहिनों के लिए

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा संस्कृति बोधमाला का प्रकाशन किया गया है तथा इस पुस्तक माला के स्वाध्याय के आधार पर अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृति ज्ञान परीक्षा एवं प्रश्नमंच का आयोजन किया जाता है।

'संस्कृति ज्ञान परीक्षा' का छात्रों एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा अप्रत्याशित स्वागत हो रहा है। परीक्षार्थियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि होना परीक्षा की उपयोगिता का प्रमाण है।

वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या
83-84	55,200	94-95	3,57,575	05-06	14,02,140
84-85	60,000	95-96	3,94,088	06-07	14,70,325
85-86	90,000	96-97	4,84,283	07-08	14,29,404
86-87	1,05,000	97-98	5,94,314	14-15	18,28,337
87-88	1,30,000	98-99	6,64,164	15-16	18,74,772
88-89	1,46,000	99-00	7,47,551	16-17	19,15,417
89-90	1,70,172	00-01	8,92,273	17-18	20,15,357
90-91	2,10,248	01-02	10,61,787	18-19	22,32,134
91-92	2,50,000	02-03	10,58,913	19-20	22,31,998
92-93	2,90,000	03-04	11,75,999	20-21	7,09,385
93-94	3,55,282	04-05	13,10,541	21-22	12,84,861

प्रधानाचार्यों से निवेदन –

विद्या भारती अ.भा.शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध विद्यालयों के साथ राजकीय एवं अन्य विद्यालयों के छात्र भी इस परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं तथा यह माँग प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। अतः हम लोग भी अन्य विद्यालयों से सम्पर्क स्थापित करें तथा उन्हें इसके लिए प्रेरित करें। अपने विद्यालय में तो सभी भैया/बहिनों एवं आचार्य दीदियों के लिए इसे अनिवार्य रूप से लागू करना ही है। अतः अपने विद्यालय के कक्षा 4 से 12 तक के सभी भैया बहिन इस परीक्षा में सम्मिलित होने चाहिए।

परीक्षा प्रणाली –

कक्षा 4 से 12 तक प्रत्येक कक्षा के लिए अलग-अलग बोधमाला पुस्तिकाएँ निर्धारित की गई हैं। कक्षा अनुसार प्रश्न-पत्र इन्हीं पुस्तकों पर आधारित होते हैं। प्रश्नों की भाषा एवं रूप विविधता लिए हुए हो सकते हैं परन्तु मूलभाव और विषय-वस्तु पुस्तक पर ही आधारित होगी। पुस्तिका में प्रश्न तथा उनके उत्तर

अत्यन्त रोचक ढंग से दिए रहते हैं, जिन्हें छात्र अत्यन्त सरलता से हृदयंगम कर लेते हैं। परीक्षा प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय होता है, प्रश्नों के उत्तर, प्रश्न पत्र पर ही निर्देशित रिक्त स्थान पर लिखने होते हैं।

प्रत्येक कक्षा की पुस्तिका में भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय उपलब्धियों की जानकारी भी दी गई है। प्रत्येक पुस्तक में सात पाठ हैं - 1. मातृभूमि भारत, 2. वसुधैव कुटुम्बकम्, 3. संस्कारों की पावन परम्परा, 4. हमारा गौरवशाली इतिहास, 5. भारतीय विज्ञान की उज्ज्वल परम्परा, 6. सामान्य ज्ञान, 7. हमारे राष्ट्रनायक

इन पाठों में कक्षा स्तरानुसार सामग्री का विस्तार किया गया है।

OMR उत्तर पत्रक – हमारे किशोर आयु के भैया-बहनों को निकट भविष्य में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होना होगा। उन्हें इसका अभ्यास हो सके, इस दृष्टि से प्रतिवर्ष कक्षा 9 से 12, प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा तथा प्रज्ञा की संस्कृति ज्ञान परीक्षा का प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ बहुविकल्प प्रकार का होगा जिसके उत्तरों का अंकन अलग से प्रदान किए गए उत्तर पत्रक पर सम्बन्धित प्रश्न के सम्मुख दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के नीचे आकृति (○) को काले/नीले बॉल प्वाइंट पैन से गोलाई में ही पूरी तरह काला/नीला (●) करके देना होगा।

पुस्तक प्रेषण –

संस्थान में शुल्क प्राप्ति की तिथि के पश्चात् एक मास तक की अवधि के अन्दर पुस्तिकाएं शुल्क भेजने वाले पंजीकृत विद्यालय/ परीक्षा केन्द्र पर भेज दी जाती हैं।

परीक्षा शुल्क –

- कक्षा चतुर्थी से द्वादशी तक सभी विद्यालयों के लिए परीक्षा शुल्क 30.00 रुपये प्रति छात्र है। इसमें से 4.00 रुपये प्रति छात्र की दर से विद्यालय में रखकर शेष राशि 26.00 रुपये संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजनी है, जिसके प्राप्त होने की अन्तिम तिथि 31 अगस्त 2022 है। शुल्क एवं पंजीकरण पत्रक दोनों एक साथ भेजें अन्यथा यहाँ से सामग्री भेजने में विलम्ब होगा।
- **संस्कृति ज्ञान परीक्षा शुल्क सीधे बैंक में जमा करने के लिए**

Step-1 संस्थान की वेबसाइट https://www.samskritisansthan.com को खोलें तथा निम्नलिखित अनुसार क्लिक करें –

Step-2 **''अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीकरण''**

⇩

Step-3 SBI Collect

Step-4 ☑ Accept and Proceed
Step-5 State of Corporate/Institution - Haryana
Step-6 Type of Corporate/Institution - Educational Institutions
Step-7 Go
Step-8 Educational Institutions Name -
Vidya Bharti Sanskriti Shiksha Sansthan
Step-9 Select Payment Gateway - Sanskriti Gyan Pariksha Fees
Step-10 Fill Form
Step-11 Submit करना
Step-12 Confirm करना

- शुल्क की धनराशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के बहुशहरी (Multi-city) रेखांकित बैंक चैक और बैंक ड्राफ्ट द्वारा 'विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान' के नाम कुरुक्षेत्र कार्यालय के पते पर पंजीकरण प्रपत्र सहित भेजी जा सकती है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य माध्यम से परीक्षा शुल्क स्वीकृत नहीं किया जाता। धनादेश, अन्य खाते में जमा की गई राशि (जिसका उल्लेख इस नियमावली में नहीं किया गया है) द्वारा किए गए भुगतान के बारे में संस्थान जिम्मेवार नहीं होगा।
- कठिनाई आने की स्थिति में दूरभाष क्र. 01744-251903, 270515, 7419996200, 7419996300 एवं व्हाट्सएप्प क्रमांक 9812520301 पर सम्पर्क कर सकते हैं।
- बोधमाला पुस्तिका, प्रश्न-पत्र, प्रमाण-पत्र का शुल्क इसी राशि में सम्मिलित है। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बोधमाला पुस्तिका 10.00 रुपये प्रति के हिसाब से उपलब्ध हो सकेगी।
- शुल्क के साथ कक्षानुसार छात्र संख्या एवं वर्गानुसार आचार्य संख्या, नाम सूची सहित भेजना अनिवार्य है।
- आपके द्वारा जारी चैक किसी भी स्थिति में अनादृत (Dishonour) होने पर बैंक द्वारा की जाने वाली कटौती आपके द्वारा देय होगी।

द्रष्टव्य - विद्या भारती विद्यालयों में पढ़ने वाले सभी भैया-बहिनों का संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

- आपके द्वारा शुल्क में से अपने विद्यालय में 4.00 रुपये प्रति छात्र की दर से रखी गई राशि को मूल्यांकन, डाक व्यय एवं पुरस्कार आदि पर ही व्यय करना है। इस राशि का व्यय अन्य किसी मद में नहीं होना चाहिए।
- केन्द्रीय कार्यालय में प्राप्त होने वाली राशि में से 2.00 रुपया प्रति छात्र प्रान्त

को भेजा जाएगा जिसे संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए संपर्क एवं विस्तार हेतु किये जाने वाले प्रोत्साहन कार्य में प्रयोग किया जाना चाहिए। इस राशि का प्रयोग प्रान्तीय मंत्री, संगठन मंत्री एवं संस्कृति बोध परियोजना के प्रान्तीय संयोजक के पारस्परिक विचार–विमर्श के आधार पर होगा।

विलम्ब शुल्क –

परीक्षा शुल्क 31 अगस्त 2022 के पश्चात प्राप्त होने पर 100.00 रुपये प्रति विद्यालय विलम्ब शुल्क भेजना होगा। ये तिथियां कुरुक्षेत्र कार्यालय में शुल्क पहुँचने की हैं, इस विलम्ब शुल्क की सीमा 15 अक्तूबर 2022 तक ही निश्चित है। इसके पश्चात् प्राप्त होने पर शुल्क स्वीकार नहीं किया जाएगा।

परीक्षा केन्द्र –

शुल्क भेजने वाले विद्यालय ही परीक्षा केन्द्र रहेंगे तथा शुल्क भेजने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्य, केन्द्राध्यक्ष रहेंगे। आपके सम्पर्क के आधार पर विद्या भारती के अतिरिक्त अन्य विद्यालयों के छात्रों की परीक्षा केन्द्र का निर्णय शुल्क भेजने वाले विद्यालय का होगा। अतः उन्हें परीक्षा की तिथि व समय की सूचना आपको ही देनी है।

परीक्षा प्रश्न–पत्र –

प्रश्नोत्तर पुस्तिकायें / OMR शीट एवं उत्तर संकेत अलग–अलग पैकेट में भेजे जाएँगे परन्तु किसी भी स्थिति में प्रश्न–पत्रों को परीक्षा समय से पूर्व न खोला जाए। अन्दर रखे प्रश्न–पत्रों की संख्या पैकेट के ऊपर लिखी होगी जिसे आपके द्वारा भेजी गई संख्या से मिला लें तथा प्रश्नपत्र कम होने की स्थिति में तुरन्त परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को सूचित करें। यदि प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि से 15 दिन पूर्व तक आपको प्राप्त नहीं होते तो परीक्षा कार्यालय को तुरन्त सूचना दें। मूल्यांकन हेतु विद्यालय के उपयोग की दृष्टि से 5 प्रतिशत प्रश्नोत्तरी एवं प्रश्नपत्र अधिक भेजे जाते हैं। इन्हें केवल मूल्यांकन हेतु प्रयोग करें। कक्षा अष्टमी से द्वादशी कक्षा हेतु उत्तर पत्रक (OMR Sheet) भी एक अलग पैकेट में प्रश्नावली के साथ ही भेजे जायेंगे।

परीक्षा तिथि –

प्रान्तीय समिति परीक्षा की तिथि 17 दिसम्बर 2022 से 31 जनवरी 2023 के मध्य निश्चित करें। इसका निर्धारण प्रान्तीय समिति द्वारा किया जाएगा, जिसकी सूचना क्षेत्रीय / प्रान्तीय संयोजक सत्र के प्रारम्भ में संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेज देंगे। नवम्बर मास तक परीक्षा तिथि की सूचना न मिलने पर

प्रान्तीय समिति के कार्यालय से ही सम्पर्क करें। परीक्षा की तिथि किसी भी अवस्था में 17 दिसम्बर 2022 से पूर्व न हो।

मूल्यांकन –

उत्तर पत्रों का मूल्यांकन सामूहिक रूप से परीक्षा के तुरन्त पश्चात उसी दिन अथवा अगले दिन से ही केन्द्राध्यक्ष के पर्यवेक्षण में किया जायेगा। इसके लिए समाज के सुयोग्य व्यक्तियों का सहयोग लिया जा सकता है। अंक सूचियाँ तैयार कर लेने के पश्चात कक्षा 4 से 8 की मूल्यांकित उत्तर-पुस्तिकाएँ भैया/बहिनों को वापस लौटा दें। नवमी से द्वादशी कक्षा के भैया-बहन प्रश्नावली को परीक्षा के तुरन्त बाद साथ ले जा सकेंगे। OMR उत्तर पत्रक ही सील बन्द पैकेट में कुरुक्षेत्र कार्यालय को मूल्यांकन हेतु भेजे जायेंगे। कक्षा 9 से 12 एवं प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा व प्रज्ञा श्रेणी की OMR Sheet परीक्षा के उपरान्त कक्षा 4 से 8 की प्राप्तांक सूची के साथ कुरुक्षेत्र भेजें। OMR Sheet विद्यालयशः सूची बनाकर अलग-अलग लिफाफे में बिना मोड़े पैक कर कुरुक्षेत्र कार्यालय भेजें।

परीक्षा तिथि से एक सप्ताह के भीतर प्राप्तांक सूची की एक प्रति केन्द्राध्यक्ष, संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजें तथा एक प्रति विद्यालय में ही रखें जिससे प्रमाण पत्र भरे जा सकें। एक ही केन्द्र पर अनेक विद्यालयों द्वारा परीक्षा दिए जाने की स्थिति में प्रत्येक विद्यालय की अंक सूची अलग-अलग बनाई जाए तथा केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं मोहर लगाकर परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजी जाए।

प्रमाण पत्र –

50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले भैया/बहिनों को उत्तीर्णता का तथा 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागी भैया/बहिनों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण –

प्रधानाचार्य द्वारा अपने विद्यालय के छात्रों को प्रमाण पत्र वितरण एवं कक्षानुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अथवा शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को समारोहपूर्वक पुरस्कृत किया जाना चाहिए। यह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम अभिभावकों तथा अन्य सम्पर्कित विद्यालयों के शिक्षक परिवार को आमंत्रित कर समारोह के रूप में होना चाहिए।

सुझाव –

सभी प्रकार के सुझाव परीक्षा के पश्चात् केन्द्रीय कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजें। परीक्षा सम्पन्न होने के पश्चात परीक्षार्थियों की संख्या, उत्तीर्ण छात्रों की संख्या,

Sanskriti Jñāna Pariksha–English Version

To facilitate participation of English Medium Public Schools in Sanskriti Jñāna Pariksha, English version of these books is also available. Accordingly, examination is also conducted in English. Participation fee per student is Rs. 30/- for English medium books and examination. Please ensure that class-wise number of participating students and the fee @ Rs. 30/- per student is separately sent for getting books & question papers in English language. However, the same proforma may be used for sending your demand. If any Pradesh Samiti decides to get these books at State Office, it can be arranged accordingly. The question papers will also be sent to the same address.

कक्षा 9 से 12 एवं आचार्य श्रेणी - प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा व प्रज्ञा की संस्कृति ज्ञान परीक्षा

OMR (Optical Mark Recognition) द्वारा

कक्षा 9 से 12 तथा आचार्य श्रेणी की संस्कृति ज्ञान परीक्षा का प्रश्न-पत्र OMR sheet पर हल किया जाना है। यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की है, जिसमें परीक्षार्थी को सही उत्तर काले बॉल प्वाइंट पैन द्वारा उपयुक्त स्थान पर गोले को पूरी तरह काला करके देना होता है। केवल इस (मूल) OMR sheet पर भरे गए उत्तर ही मान्य होते हैं। अतः इसे सावधानीपूर्वक, बिना पिन या स्टेपल लगाए तथा बिना मोड़े कक्षा 4 से 8 की प्राप्तांक सूचियों के साथ कुरुक्षेत्र कार्यालय में भेजना है। पर्यवेक्षक आचार्य परिवार की ओर से अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित है। OMR शीट की छायाप्रति (Xerox / Photocopy) मान्य नहीं है।

अपने विद्यालयों की प्रतिभागी संख्या, अन्य विद्यालयों की प्रतिभागी संख्या की सूचना संलग्न प्रपत्र पर कुरुक्षेत्र एवं प्रान्तीय कार्यालय को अवश्य भेजें।

आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा–OMR शीट आधारित

विद्या भारती से सम्बद्ध विद्यालयों के आचार्य अपनी भव्य सांस्कृतिक धरोहर के विशाल ज्ञान भण्डार से समृद्ध होकर छात्र–छात्राओं के लिए ज्ञान के प्रदीप्त प्रेरणा–स्रोत बन सकें, इस उद्देश्य से आचार्यों के लिए सन् 1985–86 से इस परीक्षा का आयोजन प्रारम्भ किया गया है। इसमें सहभागिता की संख्यात्मक स्थिति निम्नानुसार है –

वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या
1990–91	6,551	07–08	44,924	17–18	52,086
2001–02	38,003	10–11	48,648	18–19	56,373
02–03	39,686	11–12	44,021	19–20	61,805
03–04	42,271	14–15	46,043	20–21	47,063
04–05	46,958	15–16	48,208	21–22	1,75,203

यह परीक्षा चार वर्गों में आयोजित की जाती है : प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा एवं प्रज्ञा परीक्षा। हमारे सभी आचार्य इन चारों स्तरों की संस्कृति ज्ञान परीक्षा उत्तीर्ण कर लें- यह लक्ष्य बनायें।

चारों वर्गों के लिए पृथक–पृथक प्रश्नोत्तरी निर्धारित है, जो भी आचार्य बन्धु उपरोक्त परीक्षाओं में सम्मिलित होना चाहें, वे निर्धारित प्रपत्र भरकर शुल्क सहित विवरण अपने विद्यालय प्रधानाचार्य के माध्यम से परीक्षा/ कार्यालय कुरुक्षेत्र में भेजें। (संख्या विवरण एवं आवेदन पत्रक संलग्न है)

परीक्षा शुल्क –

(1) प्रवेशिका, मध्यमा व उत्तमा तीनों ही वर्गों में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों का शुल्क रुपये 40.00 (चालीस रुपये) प्रति परीक्षार्थी (पुस्तक तथा प्रमाण–पत्र सहित)निर्धारित किया गया है, जो दिनांक 31 अगस्त 2022 तक कुरुक्षेत्र कार्यालय में पहुँचना चाहिए।

(2) प्रज्ञा परीक्षा का शुल्क 100.00 (एक सौ रुपये मात्र) रहेगा। इसमें परीक्षा हेतु पाठ्य पुस्तक का मूल्य सम्मिलित है। यह परीक्षा केवल उन आचार्यों के लिए होगी जो प्रवेशिका, मध्यमा एवं उत्तमा तीनों परीक्षायें उत्तीर्ण कर चुके हैं।

परीक्षा दिनांक व मूल्यांकन (जाँच कार्य) –

आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा तथा प्रज्ञा सभी स्तरों की 17 दिसम्बर 2022 को सम्पन्न होगी। प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा तथा प्रज्ञा परीक्षा का मूल्यांकन केन्द्रीय कार्यालय कुरुक्षेत्र में होगा, परीक्षोपरान्त ये OMR Sheet प्रधानाचार्य के पत्र के साथ कुरुक्षेत्र कार्यालय के पते पर परीक्षा आयोजन के दिन ही प्रेषित की जानी चाहिए। इसमें विलम्ब होने पर उत्तर पुस्तिकाओं (OMR Sheet) पर विचार नहीं किया जाएगा। आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा केवल OMR Sheet पर ही आयोजित होती है।

परीक्षाफल –

केन्द्रीय कार्यालय, कुरुक्षेत्र में उत्तर पुस्तिकाएँ प्राप्त होने के पश्चात् उनका मूल्यांकन करवा कर परिणाम प्रमाण पत्रों के साथ सम्बन्धित विद्यालय को भेजा जाएगा। प्रज्ञा परीक्षा में 50 प्रतिशत एवं अधिक अंक प्राप्त करने वाले आचार्य प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। अंक सूची व प्रमाण-पत्र सम्बन्धित विद्यालय को भेज दिए जाएँगे।

विद्यालय अथवा प्रान्तीय समिति द्वारा 80 प्रतिशत या अधिक अंक लेने वाले आचार्यों को समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाए। नगर/जिले में स्थित एकाधिक विद्यालय मिलकर भी बड़े स्तर पर समारोह आयोजित कर सकते हैं ताकि अन्य विद्यालयों को भी इसकी जानकारी तथा प्रेरणा मिल सके।

पुनर्मूल्यांकन –

परीक्षा परिणाम जारी होने की दिनाँक के 45 दिन के अंदर पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था रहेगी। इसका शुल्क 20.00 रुपये प्रति परीक्षार्थी रहेगा, पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन केन्द्राध्यक्ष के माध्यम से किया जा सकेगा।

आचार्य प्रज्ञा परीक्षा

1. यह परीक्षा उन सभी आचार्य बंधु/भगिनी के लिए है जिन्होंने प्रवेशिका, मध्यमा एवं उत्तमा परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।
2. **OMR Sheet** पर बहुविकल्प वाले प्रश्नों के साथ यह परीक्षा होगी। काले या नीले बॉल प्वाइंट पैन से गोले को पूरी तरह गोलाई में ही काला करके भरना होगा।
3. पाठ्यक्रम (2022-23 के लिए) -

   1. **आर्ष साहित्य का संक्षिप्त परिचय - 60.00 रुपये**

      प्रकाशक - विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र

2. **श्रीमद्भगवद्गीता प्रश्नोत्तरी** **- 20.00 रुपये**

(प्रकाशक - विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र)

4. प्रज्ञा परीक्षा शुल्क ₹ 100 है जिसमें उपर्युक्त पुस्तकों का मूल्य सम्मिलित है।

संस्कृति प्रवाह परीक्षा

(संस्कार केन्द्रों के लिए)

सेवा क्षेत्रों में चलने वाले संस्कार केन्द्रों के विद्यार्थियों में देशभक्ति, स्वाभिमान, सामाजिक समरसता आदि संस्कार विकसित करने के लिए ''संस्कृति प्रवाह'' नामक पुस्तिका उपलब्ध है। जिसका शुल्क 5.00 रुपये प्रति छात्र की दर से संख्या-पत्रक के साथ कुरुक्षेत्र भेजना है। संख्या एवं शुल्क प्राप्त होने पर पुस्तिकाएँ केन्द्रीय कार्यालय, कुरुक्षेत्र से उपलब्ध करायी जाएगी।

परीक्षा व प्रमाण पत्र -

प्रश्न पत्र निर्माण, परीक्षा एवं मूल्यांकन की व्यवस्था संस्कार केन्द्र स्वयं अथवा अपनी प्रान्तीय समिति की योजनानुसार करेंगे। परन्तु मूल्यांकन के पश्चात 35 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को प्रमाण पत्र देने की व्यवस्था कुरुक्षेत्र कार्यालय द्वारा की जाएगी। इसके लिए समस्त परीक्षार्थियों की अंक सूची कुरुक्षेत्र भेजना आवश्यक होगा।

संस्कृति बोध अभियान

संस्कृति ज्ञान परीक्षा को समाज में ले जाने की दृष्टि से इस वर्ष एक माह का एक देशव्यापी अभियान आगामी महीनों में लिया जाए। यह अभियान 1 अगस्त से 31 अगस्त के मध्य पूर्ण कर लिया जाए। प्रांत इसकी योजना करें। प्रत्येक आचार्य एवं प्रबन्ध समिति के सदस्य समाज के 10 लोगों को जोड़ें। इसका शुल्क 40.00 रुपये रहेगा जिसमें 4.00 रुपये विद्यालय में रखकर 36.00 रुपये कुरुक्षेत्र कार्यालय भेजना होगा। ऑफलाइन पद्धति से इसकी परीक्षा 30 जनवरी 2023 को सम्पन्न होगी। प्रत्येक प्रान्त में अभियान समाप्ति के 7 दिन में शुल्क कुरुक्षेत्र कार्यालय को भेजना है। शुल्क प्राप्त होने पर पुस्तकें भेजी जाएंगी।

अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रश्न-मंच प्रतियोगिता

(छात्र भैया/बहिनों के लिए)

सत्र 2022-23 में प्रश्नमंच प्रतियोगिता अखिल भारतीय स्तर पर प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होगी।

ध्यान दें – 1. छात्र भैया/बहिन प्रश्न मंच प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करें इसके लिए उचित होगा कि वे सत्र के प्रारम्भ से सभी निर्धारित पुस्तकों का स्वाध्याय करें ताकि प्रश्नमंच की तिथियों के निकट वे अधिक दबाव न अनुभव करें।

2. विद्यालय में अधिकाधिक भैया/बहिनों को प्रश्नमंच की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया जाए। कक्षाशः एवं अन्तःसदन (Interhouse) प्रश्नमंच आयोजित किए जायें तथा उतरोत्तर श्रेष्ठता दिखाने वाले भैया-बहिनों को प्रान्तीय प्रतियोगिता में सम्मिलित कराया जाए।
3. सभी भैया-बहिनों को प्रश्नमंच की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएँ ताकि उनमें स्वाध्याय की प्रवृत्ति बढ़े।

1. आयोजन – प्रश्न मंच का आयोजन क्षेत्रीय स्तर तक क्षेत्रीय विषय प्रमुख/मन्त्री/संगठन मन्त्री द्वारा निश्चित पर्यवेक्षकों की देख-रेख में सम्पन्न होना चाहिए।

क. प्रश्नमंच विद्यालय, संकुल/जिला एवं प्रांत सभी स्तरों पर होना निर्धारित करें। क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर (विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव) में प्रश्न हिन्दी एवं अंग्रेज़ी में स्क्रीन पर प्रदर्शित किए जाएँ। निर्धारित नियमावली के आधार पर ही प्रश्नमंच प्रारंभिक (विद्यालय) स्तर से आयोजित करना श्रेयस्कर है। इससे भैया-बहिन प्रारंभ से ही नियमों से परिचित हो सकेंगे तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश/क्षेत्र का नाम उन्नत कर सकेंगे।

प्रश्नमंच चार वर्गों में आयोजित किया जाएगा : (क) शिशु वर्ग-कक्षा चतुर्थी एवं पंचमी; (ख) बाल वर्ग- कक्षा षष्ठी, सप्तमी एवं अष्टमी; (ग) किशोर वर्ग- कक्षा नवमी, दशमी; (घ) तरुण वर्ग- कक्षा एकादशी एवं द्वादशी। उपरोक्त चारों वर्गों में केवल निर्धारित कक्षाओं के भैया/बहिन ही भाग ले सकेंगे।

2. प्रतिभागिता – (क) विद्या भारती से सम्बद्ध प्रत्येक क्षेत्र के विजेता विद्यालय अखिल भारतीय प्रश्नमंच में भाग ले सकेंगे।

(ख) प्रत्येक वर्ग के दल में तीन विद्यार्थी रहेंगे।

(ग) क्षेत्र स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला दल अखिल भारतीय प्रश्नमंच में क्षेत्रानुसार भाग लेगा।

(घ) निर्धारित फोटो युक्त पूर्ण भरा हुआ परिचय पत्र विद्यालय स्तर से भरवाकर लाना है। परिचय पत्र (पृष्ठ 13) के अभाव में दल सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

(ङ) परिचय पत्र पर सभी स्तरों के परिणाम अंकित कर प्रत्येक स्तर के संयोजक के हस्ताक्षर भी कराने हैं।

(च) अखिल भारतीय प्रश्नमंच में प्रश्न LCD Projector के माध्यम से स्क्रीन पर हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रदर्शित किए जायेंगे। हिन्दी के अतिरिक्त भाषा–भाषी क्षेत्रों/प्रान्तों में प्रतिभागियों को प्रारम्भ से ही इन्हीं भाषाओं में स्वाध्याय/तैयारी कराई जाये ताकि प्रतिभागियों को भाषा के कारण प्रश्न को समझने में कठिनाई न हो।

(छ) प्रतियोगिता स्थल पर पंजीयन के समय परिचय पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

(ज) प्रश्नमंच में मौखिक उत्तर देना है। इसके लिए किसी भी प्रकार के लिखित कार्य की अनुमति नहीं होगी।

(झ) प्रान्त या विभाग में भी प्रोजेक्टर का प्रयोग प्रश्नमंच के लिए करना चाहिए।

(ण) जिन प्रदेशों से दल की प्रतिभागिता होती है वहाँ के प्रांत प्रमुख की उपस्थिति महोत्सव में अनिवार्यतः अपेक्षित है, साथ में सभी क्षेत्र प्रमुखों की उपस्थिति भी अनिवार्य है।

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित

Organised by Vidya Bharti Sanskriti Shiksha Sansthan

विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव

परिचय पत्र

प्रतिभागी का अद्यतन का चित्र

वर्ग : शिशु/बाल/किशोर/तरुण ---------------------------------

1. प्रतिभागी का नाम (Name of Paricipant) ---------------------
2. पिता का नाम (Father's Name)----------------------------
3. जन्म तिथि (Date of Birth in Figures) -----------------------

   (शब्दों में) (in words)-----------------------------------
4. कक्षा (Class)---------------- विद्यालय में प्रवेश तिथि (Date of admission in School)------------------------------------
5. विद्यालय का सम्पूर्ण पता ---------------------------------

   ----

   (Full Name and Address of the institution) -----------------

   ----

   ---------------------पिन (PIN) -------------------

   दूरभाष (Phone Number) विद्या. --------- निवास-----------
6. प्रतिभागी के हस्ताक्षर (Sign. of Participants)----------------
7. कक्षाचार्य के हस्ताक्षर (Sign. of Class teacher) ----------------
8. प्राचार्य के हस्ताक्षर (Principals's Sign. & Seal)----------------
9. प्रान्तीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख/मंत्री/संगठन मंत्री के हस्ताक्षर (Sign. of Prantiya S.B.P. Pramukh or Sangathan Mantri) ------------
10. क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख/क्षेत्रीय संगठन मंत्री के हस्ताक्षर (Sign. of Kshetriya S.B.P. Pramukh or Kshetriya Sangathan Mantri) ---

परिणाम -----------	---------	---------
संकुल/जिला/विभाग समारोह	प्रान्तीय समारोह	क्षेत्रीय समारोह
ह० संयोजक ----------	----------	----------
(दिनांक सहित)		

3. पाठ्यक्रम –

प्रत्येक प्रतिभागी को वन्दना, प्रात:स्मरण, एकात्मतास्तोत्र, भोजन मंत्र तथा दोनों अखिल भारतीय वार्षिक गीत याद करके आना चाहिए।

2022–23 की प्रश्नमंच प्रतियोगिता के लिए विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकें इस प्रकार रहेंगी। इसके अतिरिक्त यदि क्षेत्रीय स्तर पर तीनों वर्गों हेतु कुछ अन्य पुस्तकों का चयन किया जाता है तो उसकी जानकारी आपको अपने क्षेत्रीय कार्यालय से प्राप्त होगी।

● **निम्नलिखित सत्र एवं उसके बाद प्रकाशित संस्करण ही मान्य होंगे।**

क्र०	पुस्तक का नाम	प्रकाशन वर्ष/ संस्करण
शिशु वर्ग (कक्षा 4 व 5)		
1.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा बोधमाला कक्षा - 4, 5	सत्र 2022–23
2.	प्रेरणा दीप भाग–1	2015, षष्ठ
3.	हमारे राष्ट्र निर्माता भाग–1, प्रथम 15 पाठ	2017, एकादश
बाल वर्ग (6, 7 तथा 8)		
1.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा बोधमाला, कक्षा - 6, 7, 8	सत्र 2022–23
2.	व्यावहारिक खगोल परिचय, प्रथम छः पाठ	2015, सप्तम
3.	प्रेरणा दीप भाग–2	2015, षष्ठ
4.	हमारे राष्ट्र निर्माता भाग–1, पाठ 16 से 32 तक	2017, एकादश
किशोर वर्ग (कक्षा 9 व 10)		
1.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा बोधमाला, कक्षा- 9,10	सत्र 2022–23
2.	व्यावहारिक खगोल परिचय	2015, सप्तम
3.	प्रेरणा दीप भाग–3	2014, पंचम
4.	हमारे राष्ट्र निर्माता भाग–2, पाठ 1 से 25 तक	2013, अष्टम
5.	सामाजिक समरसता और हमारे संत	2014
तरुण वर्ग (कक्षा 11 व 12)		
1.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा बोधमाला, कक्षा - 11,12	सत्र 2022–23
2.	व्यावहारिक खगोल परिचय	2015, सप्तम
3.	प्रेरणा दीप भाग–4	2017, तृतीय

4. हमारे राष्ट्र निर्माता भाग–2 पाठ 26 से 41 तक 2013, अष्टम
5. सामाजिक समरसता और हमारे संत 2014

पुस्तक प्राप्ति स्थान – आपके अपने प्रान्त का प्रान्तीय साहित्य भण्डार

विशेष : प्रश्नमंच की तैयारी की दृष्टि से विद्यालय के अधिकाधिक भैया–बहिनों को इन पुस्तकों के स्वाध्याय के लिए प्रेरित करें तथा उनकी आपसी प्रतियोगिता करवाकर श्रेष्ठ दल का चयन करें।

1. आदेश के साथ धनराशि अवश्य भेजें। डाक व्यय अतिरिक्त देय होगा।

2. प्रतियोगिता में भाषा का माध्यम प्रदेश समिति द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुसार होगा। अखिल भारतीय प्रश्नमंच में प्रश्न LCD Projector के माध्यम से स्क्रीन पर हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रदर्शित किए जायेंगे। हिन्दी–इतर क्षेत्रों/प्रान्तों में प्रतिभागियों को प्रारम्भ से ही इन्हीं भाषाओं में स्वाध्याय/तैयारी कराई जाये ताकि अखिल भारतीय स्तर पर पहुँचने पर प्रतिभागियों को भाषा के कारण प्रश्न को समझने में कठिनाई न हो।

3. प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम की सामग्री पर आधारित होंगे, इनका निर्माण प्रादेशिक/क्षेत्रीय/अखिल भारतीय विषय संयोजक की व्यवस्थानुसार होगा।

3.1 निर्धारित पुस्तक के जो नवीन संस्करण हों उन्हीं का ही अभ्यास कराकर लायें। नियमावली भी भैया–बहनों को पढ़ाएँ।

3.2 सबको प्रश्नमंच हेतु प्रोजेक्टर के प्रयोग का अभ्यास कराना श्रेयस्कर होगा।

3.3 परिणाम – दल के प्रतिनिधित्व के आधार पर घोषित किया जाएगा यथा– राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र के दल की प्रतिभागिता रहेगी और क्षेत्र विजयी होगा। इसी प्रकार क्षेत्र में प्रान्त की प्रतिभागिता होगी एवं प्रान्त विजयी घोषित किया जाएगा। यही क्रम प्रारंभिक स्तर तक जाएगा। किन्तु किसी भी स्थिति में प्रतिभागी दल में एक से अधिक विद्यालयों के चयनित भैया–बहिन नहीं रहेंगे। वह एक दल (विजेता) एक ही विद्यालय का होगा।

✪ निर्णायकों को (जिन्हें हम बुलाते हैं) नियमावली पढ़ाना श्रेयस्कर होगा।

3.4 प्रश्न मंच में व्याख्यात्मक अथवा विश्लेषणात्मक प्रश्नों के लिए कोई स्थान नहीं हैं क्योंकि ऐसे प्रश्नों के उत्तर प्राय: लम्बे होते हैं। प्रश्न ऐसे होंगे जिनका उत्तर संक्षिप्त अर्थात् प्राय: एक–दो शब्द, वाक्यांश अथवा एक वाक्य में ही हो।

3.5 प्रश्न तथ्यों पर आधारित होंगे। ये प्रश्न किसी एक तथ्य पर अथवा दो या दो

से अधिक तथ्यों के पारस्परिक सम्बन्ध पर आधारित हो सकते हैं, ताकि वे जिज्ञासा मूलक, चिन्तन प्रेरक तथा संस्कार उद्‌बोधक हो सकें।

3.6 प्रश्न वस्तुनिष्ठ, अनेक दिए गए उत्तरों में से ठीक उत्तर छांटो, तुलनात्मक अथवा अन्य किसी प्रकार के भी हो सकते हैं। दृश्य-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग करके भी प्रश्न प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

3.7 प्रश्न, पुस्तक में दी गई भाषा, शैली के अनुसार होना आवश्यक नहीं है। सामग्री को आधार मानकर प्रश्नों की भाषा-शैली विविध प्रकार की हो सकती है।

3.8 प्रश्नों का किसी एक भाग में दी गई सामग्री पर आधारित होना आवश्यक नहीं है। एक प्रश्न में ही पाठ्‌यक्रम में अलग-अलग स्थानों पर दी गई सामग्री का भी समावेश हो सकता है।

3.9 प्रश्न सटीक हों तथा पुस्तक में उनमें से एक से अधिक उत्तर प्राप्य न हों। परन्तु यदि पुस्तक में एक से अधिक उत्तर प्राप्य हों तो दोनों को सही मानकर अंक दिए जाएँ तथा इसकी सूचना भविष्य में सुधार हेतु कुरुक्षेत्र कार्यालय को भेजें।

3.10 प्रश्न की भाषा यथासंभव सरल, सुबोध, संक्षिप्त तथा स्पष्ट होगी। प्रश्न का एक ही अर्थ निकलना अपेक्षित है।

3.11 प्रश्न में अपेक्षित उत्तर का निर्देशक संकेत शब्द, स्थान, समय, व्यक्ति, दिशा, कारण, आदि स्पष्ट रहेगा ताकि उत्तर समझने में भ्रम न हो।

3.12 प्रश्नों के एक चक्र में लगभग एक ही स्तर के प्रश्न होना अपेक्षित है। उतरोत्तर चक्रों का स्तर क्रमशः ऊँचा होना अपेक्षित है। अतः प्रत्येक पुस्तक से कम से कम एक चक्र (One Round) अवश्य रहे।

प्रश्नमंच सत्र 2022-23 में प्रश्नों के निम्नलिखित प्रकार हो सकते हैं–

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

   यथा—भगवान महावीर का जन्म ---------- राज्य में हुआ था।

   उत्तर – बिहार

2. विकल्प छाँट कर उत्तर दीजिए।

   यथा – श्रीराम का जन्म स्थान इनमें से कौन सा है?

   1. काशी, 2. अयोध्या, 3. मथुरा, 4. हरिद्वार

   उत्तर – अयोध्या

3. सही गलत बतायें।

   यथा – ओडिशा की राजधानी कंकटकानगर है।

उत्तर – गलत

4. सही तिथि / दिनाँक एवं वर्ष बतायें?
5. इनके माता/पिता/गुरु एवं पत्नी/पति का नाम बतायें?
6. कविता/श्लोक की पंक्ति पूर्ण करें?
7. इनके उत्तर एक शब्द में दीजिए।

4 प्रश्नों की संख्या :

4.1 प्रतियोगिता में प्रश्नों की एक शृंखला होगी। आवश्यकता पड़ने पर प्रश्नों की दूसरी, तीसरी अथवा चौथी शृंखला भी हो सकेगी। प्रथम शृंखला में बारह प्रश्न होंगे। प्रत्येक पुस्तक से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

4.2 प्रत्येक चक्र में समान स्तर के उतने ही प्रश्न होंगे जितने कि प्रतिभागी दल रहेंगे।

4.3 प्रश्नों को कार्डों की बजाए प्रोजैक्टर/LCD आदि से भी प्रदर्शित किया जाएगा।

5 प्रश्नोत्तर विधि :

5.1 प्रश्न एक ही बार बोला जाएगा, किन्तु विद्या भारती, प्रश्न पूछने की विधि में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकेगी, जिसकी सूचना यथासमय प्रदेश/क्षेत्रीय समितियों को दे दी जायेगी। स्क्रीन पर प्रश्न आने की स्थिति में प्रश्न बोलकर नहीं पूछे जायेंगे।

5.2 प्रश्न का उत्तर देने के लिए 25 सैकेण्ड का समय रहेगा। समय गणना पूरा प्रश्न पूछे जाने के तुरन्त बाद आरम्भ होगी। 20 सैकेण्ड बीतने पर चेतावनी की घण्टी बजेगी तथा 25 सैकेण्ड का समय बीतने पर दो घण्टी बजाकर समय पूरा होने की सूचना दी जाएगी। समय संकेत स्क्रीन के माध्यम से भी दर्शाया जा सकता है। LCD स्क्रीन पर प्रश्न आते ही समय गणना प्रारम्भ हो जाएगी।

5.3 **पुस्तक में लिखा उत्तर ही सही उत्तर माना जाएगा।** उत्तर देने में तीनों प्रतिभागी आपस में परामर्श कर सकेंगे। तीनों में से किसी एक के द्वारा दिया गया उत्तर स्वीकार किया जाएगा। प्रथम दिया गया उत्तर ही अन्तिम उत्तर होगा।

5.4 अस्पष्ट, अधूरे, गलत अथवा कोई उत्तर न दिए जाने की दशा में प्रतिभागी टीम को शून्य अंक मिलेगा। पूरा, सही और समय पर दिए गए उत्तर का पूरा अंकलाभ प्रतिभागी दल को मिलेगा।

5.5 उच्चारण में भिन्नता स्वीकार्य होगी परन्तु उत्तर की शुद्धता अनिवार्य है। उत्तर के सही या गलत होने की घोषणा प्राश्निक उच्च स्वर में करेंगे। उसी के अनुसार प्रतिभागी दलों के अंकों की गणना सामने रखे गये श्याम/श्वेत पट्ट पर सही (✓) व गलत (✗) चिह्नों द्वारा दर्शायी जाएगी।

5.6 उत्तर के सही, पूर्ण तथा समय में दिए गए, का निर्णय प्राश्निक महोदय स्क्रीन

पर दिए गये सही उत्तर के आधार पर करेंगे। इस विषय में प्राश्निक महोदय का निर्णय मान्य होगा परन्तु किसी सम्भ्रम की स्थिति में निर्णायक महोदय का निर्णय अन्तिम निर्णय के रूप में सर्वमान्य होगा।

6 परिणाम :

6.1 जिन प्रथम तीन प्रतिभागी दलों के सर्वाधिक अंक होंगे उन्हें अंकों के क्रमानुसार प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान का विजेता घोषित किया जाएगा।

6.2 यदि किसी स्थान के लिए दो या दो से अधिक दलों के समान अंक होंगे तो दूसरी श्रृंखला में उन्हें ही सम्मिलित किया जाएगा, जिनके अंक समान होंगे। दूसरी श्रृंखला में पांच प्रश्न होंगे। दूसरी श्रृंखला में निर्णय न होने पर तीसरी, चौथी श्रृंखला के तीन-तीन प्रश्न से परिणाम के आधार पर अन्तिम तीनों स्थानों का परिणाम घोषित किया जाएगा।

6.3 क्षेत्र स्तर तक विजेता दल के प्रत्येक प्रतिभागी को पारितोषिक क्षेत्रीय समिति की ओर से दिया जाएगा। परिणाम की लिखित सूचना प्राश्निक/संयोजक आयोजक कार्यालय को देंगे। संस्थान को भी प्रांत/क्षेत्र में विजयी टीम की सूचना दें। सहभागिता संख्या विद्यालय से लेकर क्षेत्र तक की संस्थान कार्यालय को प्रेषित करें।

6.4 प्रत्येक प्रतिभागी को प्रश्न मंच में भाग लेने का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

6.5 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ परिणाम की एक प्रति विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र कार्यालय को अवश्य भेजें।

6.6 प्रश्नमंच कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का निर्णय अखिल भारतीय कार्यकारिणी के द्वारा लिया जाएगा। तद्नुसार सूचना प्रान्तीय एवं क्षेत्रीय समितियों को कुरुक्षेत्र से प्रेषित की जाएगी।

6.8 पुरस्कार : अखिल भारतीय आयोजन के पुरस्कार संस्कृति शिक्षा संस्थान की ओर से दिए जाएँगे। अतः आयोजक प्रान्त, केन्द्रीय कार्यालय से परामर्श कर पुरस्कारों को प्राप्त करें।

कथा-कथन प्रतियोगिता

(शिशु एवं बाल वर्ग के छात्र भैया/बहिनों के लिए)

गत 3 वर्षों से संस्कृति बोध परियोजना के आयाम में एक नई विधा **कथा-कथन** के नाम से छात्र भैया/बहिनों में वर्णन शैली के विकास करने की दृष्टि से जोड़ी गई है। इस वर्ष यह प्रतियोगिता विद्यालय स्तर से संकुल, प्रान्त, क्षेत्र एवं अखिल भारतीय सभी स्तरों पर आयोजित होगी।

नियम –

1. कथा-कथन प्रतियोगिता के वर्ग :
   (क) शिशु वर्ग- कक्षा 4-5; (ख) बाल वर्ग- कक्षा 6-7-8;
   उपरोक्त दो वर्गों में केवल निर्धारित कक्षाओं के भैया/बहिन ही भाग ले सकेंगे।
2. इस प्रतियोगिता में शिशु एवं बाल वर्ग में क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र भैया/बहिन अखिल भारतीय महोत्सव में अपने वर्ग के लिए निर्धारित विषय पर कथा-कथन कहेंगे दोनों वर्गों हेतु कथा-कथन के विषय निम्नलिखित हैं -

   विषय – प्रेरक पौराणिक आख्यान, प्रेरक ऐतिहासिक आख्यान, प्रेरक लोककथा पर आधारित कथा।
3. **कथा-कथन हेतु समय सीमा** -
   शिशु वर्ग – 5 से 7 मिनट बाल वर्ग – 6 से 8 मिनट
4. कथा-कथन की विषय सामग्री के आलेख की तीन प्रतियाँ निर्णायकों के लिए तैयार करके लायें ताकि प्रस्तुति के समय उन्हें दी जा सकें।
5. यह कथा-कथन प्रतियोगिता है। अतः इसमें हाव-भाव व आरोह-अवरोह कथन के अनुरूप होना चाहिए।
6. **कथा-कथन का मूल्यांकन-**

(क)	विषय सामग्री	-	15 अंक
(ख)	प्रामाणिक तथ्य	-	10 अंक
(ग)	प्रस्तुति एवं उच्चारण शुद्धता	-	15 अंक
(घ)	भाषा-शैली	-	5 अंक
(ङ)	समय सीमा का पालन	-	5 अंक
		कुल	50 अंक

7. **माध्यम –** हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी
8. तीनों निर्णायक अंक पत्रों पर व्यक्तिगत रूप से अंक देंगे। तीनों निर्णायकों के अंक जोड़कर औसत आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय परिणाम घोषित किए जाएँगे।

द्रष्टव्य – अखिल भारतीय स्तर पर क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त विजेता ही भाग लेंगे।
– निर्णायकों को व्यवस्थापक नियम से परिचित कराएँगे।
– निर्णायकों का निर्णय सर्वमान्य एवं अंतिम होगा।

आशु (तात्कालिक) भाषण प्रतियोगिता

(किशोर एवं तरुण वर्ग के छात्र भैया/बहिनों के लिए)

संस्कृति बोध परियोजना के आयाम में एक नई विधा आशु (तात्कालिक) भाषण के नाम से चिन्तन तथा भाषण कला में निपुणता लाने की दृष्टि से जोड़ी गई है। यह प्रतियोगिता विद्यालय स्तर से संकुल, प्रान्त, क्षेत्र एवं अखिल भारतीय सभी स्तरों पर लागू होगी।

नियम –

1. तात्कालिक भाषण निम्नलिखित दो वर्गों के छात्र भैया/बहिनों के लिए आयोजित किया जाएगा :

   ● किशोर वर्ग– कक्षा 9–10; ● तरुण वर्ग– कक्षा 11–12

   उपरोक्त दोनों वर्गों में केवल निर्धारित कक्षाओं के छात्र भैया/बहिन ही भाग ले सकेंगे।

2. इस प्रतियोगिता में किशोर एवं तरुण इन दोनों वर्गों में विभिन्न समसामयिक विषय (Current Affairs) पर उठाई गई दो पर्चियों के आधार पर किसी एक विषय पर तात्कालिक भाषण देना होगा। तैयारी के लिए केवल 3 मिनट का समय दिया जाएगा।

3. **समय सीमा** –

वर्ग		समय सीमा
किशोर वर्ग	–	6 से 8 मिनट
तरुण वर्ग	–	6 से 8 मिनट

4. **मूल्यांकन** –

(क)	विषय सामग्री	–	15 अंक
(ख)	प्रामाणिक तथ्य	–	10 अंक
(ग)	प्रस्तुति एवं उच्चारण शुद्धता	–	15 अंक
(घ)	भाषा–शैली	–	5 अंक
(ङ)	समय सीमा का पालन	–	5 अंक
		कुल	50 अंक

5. **माध्यम –** हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी

6. तीनों निर्णायक अंक पत्रों पर व्यक्तिगत रूप से अंक देंगे। तीनों निर्णायकों के अंक जोड़कर औसत आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय परिणाम घोषित किए जाएंगे।

द्रष्टव्य – अखिल भारतीय स्तर पर क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त विजेता ही भाग लेंगे।

– निर्णायकों को व्यवस्थापक नियम से परिचित कराएँगे।

– निर्णायकों का निर्णय सर्वमान्य एवं अंतिम होगा।

अखिल भारतीय पत्रवाचन

(केवल आचार्यों के लिए)

विषय : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में हमारी भूमिका

Our Role in the Implementation of National Education Policy 2020

नियम –

1. इस कार्यक्रम में प्रत्येक क्षेत्र से एक आचार्य उपरोक्त विषय पर दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों का प्रयोग करते हुए अपना पत्र वाचन करेंगे। यह भाषण प्रतियोगिता नहीं है अतः लिखकर लाये पत्र को ही पढ़ना होगा।
2. समय सीमा 7 से 10 मिनट
3. माध्यम – हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी
4. मूल्यांकन –

(क) तथ्य संग्रह एवं विषय सामग्री	–	10 अंक
(ख) PPT का प्रयोग एवं पत्र से समन्वय	–	10 अंक
(ग) अभिव्यक्ति एवं उच्चारण शुद्धि	–	10 अंक
(घ) प्रस्तुति एवं संदर्भ	-	10 अंक
(ङ) प्रश्नोत्तर एवं समय सीमा	-	10 अंक
कुल	–	50 अंक

5. अपने पत्र वाचन की लिखित एवं चित्रमय सामग्री देना आवश्यक है।
6. सभी प्रतिभागी पुरस्कृत होंगे।
7. PPT में प्रयोग किए जाने वाले Text का font - Unicode ही रहेगा।
8. वीडियो क्लिप, मॉडल, चार्ट सहित सभी दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का प्रस्तुतीकरण PPT द्वारा ही करना अनिवार्य है। इसके अभाव में पत्र अमान्य हो जाएगा।
9. PPT के अतिरिक्त कोई चार्ट, फ्लैश कार्ड, मॉडल इत्यादि के प्रदर्शन की अनुमति नहीं है।
10. निर्णायकों को अपने पत्र की 3 प्रति देना अनिवार्य होगा।
11. यह पत्र वाचन है, अभिनय, नृत्य या भाषण प्रतियोगिता नहीं। पत्र पढ़ें - सिर्फ अपने पत्र से अपने दृश्य सामग्री (PPT) को इंगित करें।

12. तीनों निर्णायक अपने व्यक्तिगत अंक देंगे। तीनों के अंक जोड़कर औसत आधार पर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता

(छात्र भैया/बहिनों के लिये)

विद्या भारती संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उसी कड़ी में अखिल भारतीय स्तर पर हिन्दी में तथा प्रत्येक प्रान्त की योजनानुसार मातृभाषाओं में छात्रों की 'निबन्ध प्रतियोगिता' का आयोजन निम्नलिखित वर्गानुसार होता है –

इस वर्ष के लिए वर्गानुसार विषय –

क. शिशु वर्ग (कक्षा 4-5)	मेरे घर आने वाले पक्षी।
ख. बाल वर्ग (कक्षा 6-7-8)	स्वयं अब जाग कर हमको जगाना देश है अपना
ग. किशोर वर्ग (कक्षा 9-10)	स्वतंत्रता आन्दोलन के अनजाने नायक
घ. तरुण वर्ग (कक्षा 11-12)	2047 में ऐसा होगा भारत

नियमावली

1. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता विद्यालय स्तर पर **दिनांक 14 सितम्बर 2022** को आयोजित करनी है। तदुपरान्त विद्यालय में ही सभी निबन्धों का मूल्यांकन करके 7 दिनों के अन्दर वर्गानुसार प्रथम पाँच निबन्ध एवं सम्पूर्ण प्रतिभागिता सूची अपनी प्रान्तीय समिति के कार्यालय में भेजें।
2. निबन्ध विद्यालय में सामूहिक बैठकर लिखेंगे। A4 (30x20 cm) आकार के कागज़ सभी प्रतिभागियों को विद्यालय की ओर से उपलब्ध कराए जाएँ।
3. प्रथम पृष्ठ पर प्रतिभागी केवल अपना विवरण लिखेंगे जिसमें नाम, पिता का नाम, कक्षा, वर्ग, विद्यालय का पूरा नाम व पता पिनकोड सहित, प्रांत का नाम, क्षेत्र का नाम स्पष्ट अक्षरों में हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में लिखना अनिवार्य होगा। इस विवरण के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
4. निबन्ध कागज़ के एक ही ओर चौथाई (हाशिया) छोड़कर लिखें।
5. स्वच्छ एवं स्पष्ट लेखन के लिए 2 अंक निश्चित हैं।
6. प्रत्येक वर्ग के प्रतियोगी को अपने वर्गानुसार किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा।
7. निबन्ध लेखन की शब्द सीमा वर्गानुसार क्रमशः शिशु वर्ग में 400, बाल वर्ग में 600, किशोर वर्ग में 800 तथा तरुण वर्ग में 800-1000 शब्दों तक निर्धारित है।

8. भैया तथा बहनों को हिन्दी अथवा अपनी मातृभाषा में निबन्ध लिखने की छूट रहेगी।

9. नियमानुसार न लिखे हुए निबन्धों को निरस्त कर दिया जाएगा। निबन्ध वापिस नहीं भेजे जाएंगे।

10. प्रत्येक निबन्ध पर प्रधानाचार्य द्वारा साक्ष्यांकन अत्यावश्यक है।

11. प्रान्तीय समिति में प्राप्त सभी निबन्धों में से वर्गानुसार केवल प्रथम स्थान प्राप्त निबन्ध प्रदेशीय/प्रान्तीय समिति द्वारा विद्या भारती कार्यालय कुरुक्षेत्र में दिनांक 15 अक्तूबर 2022 तक भेजने अनिवार्य हैं।

12. संस्थान को कोई भी या सभी निबन्ध, बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार है। यह निर्णय सर्वमान्य होगा।

13. प्रांतीय समिति के द्वारा परिणाम की जानकारी विजेता छात्र के विद्यालय तथा संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र को दी जायेगी।

14. प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के प्रमाण पत्र व पुरस्कार तत्सम्बन्धी विद्यालय को परिणाम घोषित होने के बाद संस्थान द्वारा भेजा जायेगा।

पुरस्कार – प्रत्येक प्रान्तीय समिति में प्रत्येक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता को **रुपये 501.00** का सद्साहित्य पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा।

विशेष – प्रादेशिक समिति द्वारा केन्द्रीय कार्यालय को सर्वश्रेष्ठ निबन्ध भेजते समय प्रतियोगिता में कुल प्रतिभागी विद्यालय संख्या एवं प्रतिभागी छात्र संख्या का वर्गानुसार विवरण अवश्य भेजा जाए।

अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता

(आचार्यों के लिए)

विषय - स्वाधीनता, अमृत महोत्सव और हम

Diamond Jubilee (Amrit Mahotsava) of Independence and We

नियम –

1. प्रतिभागी आचार्य, प्रधानाचार्य के पर्यवेक्षण में दिनांक 5 सितम्बर 2022 को विद्यालय में बैठकर उपरोक्त विषय पर अपना निबन्ध लिखेंगे।

2. प्रथम पृष्ठ पर प्रतिभागी केवल अपना विवरण लिखेंगे जिसमें आचार्य का नाम, पिता का नाम, विद्यालय का पूरा नाम व पता पिनकोड सहित, प्रांत का नाम, क्षेत्र का नाम स्पष्ट अक्षरों में हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में लिखना अनिवार्य होगा। इस विवरण के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

3. निबन्ध की शब्द सीमा 1500–2000 शब्द तथा समय सीमा 2 घण्टे अधिकतम रहेगी।
4. विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रत्येक निबन्ध को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित कर सभी निबन्धों को प्रतिभागिता सूची के साथ अपने प्रान्तीय कार्यालय को प्रेषित करेंगे।
5. प्रान्तीय समिति प्राप्त निबन्धों का मूल्यांकन करवाकर श्रेष्ठतम 5 निबन्ध एवं समस्त प्रतिभागिता सूची संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र को 30 सितम्बर, 2022 तक प्रेषित करें।
6. सभी प्रान्तों से प्राप्त निबन्धों का पुनः तुलनात्मक मूल्यांकन करवाकर श्रेष्ठतम 11 निबन्ध अखिल भारतीय स्तर पर पुरस्कृत होंगे।
7. पुरस्कार राशि – प्रथम 5100.00 रुपये, द्वितीय 3100.00 रुपये, तृतीय 2500.00 रुपये, चतुर्थ 2100.00 रुपये, पंचम 1500.00 रुपये तथा शेष छः प्रोत्साहन पुरस्कार प्रत्येक 1100.00 रुपये होगा।
8. सभी पुरस्कृत निबन्ध संस्कृति शिक्षा संस्थान की सम्पत्ति होंगे तथा उनका संस्थान द्वारा प्रकाशन हेतु प्रयोग किया जा सकेगा।

❑❑❑

विद्यालय / प्रान्तीय / संस्कृति ज्ञान परीक्षा कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रति

Website : www.samskritisansthan.com
Email : sgp@samskritisansthan.org

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र द्वारा संचालित

संस्कृति ज्ञान परीक्षा (2022–23)

पंजीकरण प्रपत्र

परीक्षा माध्यम (हिन्दी / अंग्रेज़ी) : ------------- गत वर्ष का कम्प्यूटर कोड ☐☐☐☐☐☐☐☐

विद्यालय का पूरा नाम: --

डाकखाना : ------------------------------- ग्राम/कालोनी: -----------------------------------

जिला: ---------------------------- पिनकोड : ☐☐☐☐☐☐ राज्य : ---------------------

दूरभाष क्रमांक : एस.टी.डी. कोड : --------------------- विद्यालय --------------------- निवास ---------------------

ई मेल: -- मोबाइल --

प्रान्तीय समिति का नाम ---------------------------------- क्षेत्र का नाम -------------------------

कक्षा	छात्र परीक्षार्थी संख्या		हिन्दी माध्यम शुल्क दर	राशि	
	विद्या भारती के विद्यालय	अन्य सम्पर्कित विद्यालय		रु०	पै०
चतुर्थ			30.00		
पंचमी			30.00		
षष्ठी			30.00		
सप्तमी			30.00		
अष्टमी			30.00		
नवमी			30.00		
दशमी			30.00		
एकादशी			30.00		
द्वादशी			30.00		
योग					
अंशदान 4.00 रु० प्रति छात्र (–)					
शेष राशि					
विलम्ब शुल्क (+)					
योग (क)					

श्रेणी	सम्बंधित आचार्य/अभिभावक		शुल्क दर	राशि	
	विद्या भारती के विद्यालय	अन्य सम्पर्कित विद्यालय		रु०	पै०
प्रवेशिका			40.00		
मध्यमा			40.00		
उत्तमा			40.00		
प्रज्ञा			100.00		
योग (ख)					
सर्वयोग (क+ख)					

उपरोक्त परीक्षार्थी कितने विद्यालयों के हैं –

1. विद्या भारती विद्यालय संख्या – ☐
2. अन्य सम्पर्कित विद्यालय संख्या – ☐

विशेष – यह फार्म केवल संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए है।

शुल्क जमा करने की प्रक्रिया

1. राष्ट्रीयकृत बैंक का बहुशहरी चैक या बैंक ड्राफ्ट **'विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान'** के नाम से **इस प्रपत्र के साथ** भेजें।
2. **शुल्क सीधे बैंक में जमा करने के लिए**

Step-1 वेबसाइट https://www.samskritisansthan.com को खोलें तथा निम्नलिखित अनुसार क्लिक करें –

Step-2 **''संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीकरण''**

Step-3 SBI Collect

Step-4 ☑ Accept and Proceed

Step-5 State of Corporate / Institution - Haryana

Step-6 Type of Corporate / Institution - Educational Institutions

Step-7 Go

Step-8 Educational Institutions Name - Vidya Bharti Sanskriti Shiksha Sansthan

Step-9 Select Payment Gateway- Sanskriti Gyan Pariksha Fees

Step-10 Fill Form, *Step-10* Submit करना, *Step-11* Confirm करना

विशेष :

- फार्म में मोबाइल क्रमांक तथा स्थानीय डाकघर से पूछ कर पिनकोड भरना अनिवार्य है।
- ट्रांसपोर्ट से साहित्य प्राप्त करने हेतु विद्यालय के पैन कार्ड अथवा प्राचार्य के आधार कार्ड की स्पष्ट छायाप्रति अवश्य संलग्न करें।

इस फार्म के सभी रिक्त स्थान पूर्ण रूप से भरे गए हैं इसकी पुष्टि की जाती है।

हस्ताक्षर व मुहर

नाम.................................. केन्द्राध्यक्ष/प्रधानाचार्य

केवल कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रयोगार्थ

पंजीकरण कोड ☐

पावती क्रमांक.............................दिनाँक......................

राशि.................... कम/अधिक प्राप्त राशि....................

कृपया पृष्ठ उलटिये

विद्या भारती से सम्बंधित विद्यालयों का विवरण

क्र०	विद्यालय का नाम व पता (मोबाइल क्रमांक सहित)	छात्र संख्या	आचार्य संख्या
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
	सर्वयोग		

अन्य सम्पर्कित विद्यालयों का विवरण

	विद्यालय का नाम व पता (मोबाइल क्रमांक सहित)	छात्र संख्या	आचार्य संख्या
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			

विशेष : यदि विद्या भारती से सम्बंधित अथवा सम्पर्कित, किसी भी श्रेणी के विद्यालयों की संख्या उपरोक्त (8) से अधिक है तो उनका विवरण पृथक से पृष्ठ पर बनाकर संलग्न करें।

कुरुक्षेत्र कार्यालय के प्रयोगार्थ

सामग्री विवरण	डाक प्रेषण दिनांक	पैकेट
बोधमाला पुस्तकें	....	☐
प्रश्न-पत्र	....	☐
छात्र प्रमाण-पत्र	....	☐
आचार्य प्रमाण-पत्र	....	☐
पत्र प्रेषित	....	
विशेष		

क्र.	दिनांक	डाक प्राप्ति विवरण
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र- 136118 (हरियाणा)

अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा
आचार्य आवेदन सूची प्रपत्र

आचार्य परीक्षा श्रेणी : **प्रवेशिका/मध्यमा/उत्तमा/प्रज्ञा**

(प्रत्येक श्रेणी के लिए पृथक सूची बनायें तथा श्रेणी पर (✓) चिह्नित करें।

विद्यालय का नाम: ---

पूर्ण पता : --पिनकोड----------------------

दूरभाष क्र॰ : विद्यालय (एस.टी.डी. कोड -----------) ---------------- निवास ----------- मोबाइल ----------

शुल्क विवरण : राशि ------------------------ धनादेश/ड्राफ्ट क्र॰ -------------------------------------

डाकघर/बैंक का नाम ---------------------------------- दिनांक------------------

क्र॰	आचार्य / दीदी का नाम	पिता का नाम	प्रवेशिका उत्तीर्ण वर्ष	मध्यमा उत्तीर्ण वर्ष	उत्तमा उत्तीर्ण वर्ष	हस्ताक्षर परीक्षार्थी	**कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रयोगार्थ** परीक्षा अनुक्रमांक

50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी ही उत्तीर्ण माने जाएँगे।

कम्प्यूटर कोड : ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर व मुहर

छपी सामग्री **Book Post**/पुस्त-प्रेष

प्रतिष्ठा में,

....

....

....

प्रेषक :-

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

संस्कृति भवन, गीता निकेतन विद्यालय परिसर,
सलारपुर रोड, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

01744-251903 FAX : 270515
9812520301, 7419996400, 7419996300, 7419996200
sgp@samskritisansthan.org
www.samskritisansthan.com
vidyabhartikurukshetra
YouTube-vbsss kkr vidyabhartisss